an>

Title: Need to formulate a housing policy for poor people of General categories in the country.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एक ऐसे विषय पर माननीय आवास मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं, जो अनुसूचित जाति और जनजाति से संबंधित है। अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के आवास के लिए बनी हैं, वे उचित हैं और मैं उनका समर्थन करता हूं। लेकिन आज गरीब की रेखा और उसके नीचे की जीवन शैली को पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। आज सामान्य वर्ग में और अति पिछड़े वर्ग में एक बहुत बड़ा ऐसा वर्ग है, जो अत्यंत गरीबी में, आश्रयविहीन और नारकीय स्थिति में जीवन जी रहा है। उसकी आंख के सामने अनेक को ऐसे आवास मिलते हैं, जो आज पात्रता से ऊपर उठ गए हैं, जबकि वह टुकर-टुकर देखता रहता है। ऐसे वर्ग के लोगों के लिए, चाहे वे सामान्य वर्ग, पिछड़े वर्ग के ही क्यों न हों, सरकार को सबको आवास उपलब्ध कराए जाने की जो नीति है। उसके अंतर्गत केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास तथा आवास मंत्रालय से पृथक रूप से आवास देने की नीति बनाने की सिफारिश करता हूं।

माननीय अध्यक्ष:

*m02 श्री पी.पी. चौधरी, श्री सी.आर. चौधरी द्वारा उठाए गए उपरोक्त विषय से अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।